et, RH-560, MK-II was launched by ISRO from the Sriharikota Range;

(b) if so, the basic objective/mission in launching the rocket; and

(c) the extent of indigenous materials/ technology used in the rocket?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRIMATI VASUNDHRA RAJE): (a) and (b) Yes, Sir. ISRO has successfully launched a Rohini Sounding Rocket, RH-560 MKII from its Sriharikota Range (SHAR) on April 19, 1998 carrying a set of instruments from Germany to study the Upper Atmosphere. These instruments were intended to measure the entire gamut of the electro-dynamic parameters of the ionosphere including electron density, ion density, electron temperature and electron density irregularities. The rocket flight was carried out under a commercial arrangement between ISRO and DLR, the German Space Agency.

(c) The entire technology used in the rocket is indigenous. Electronic parts to the extent of 17% were imported for use in various systems.

मध्य प्रदेश में सिंचाई परियोजनाओं के लिए "नाबार्ड" सहायता

1804.श्री दिलीप सिह जूदेव : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) मध्य प्रदेश की लंबित एवं अपूर्ण सिंचाई परियोजनाओं के लिए " नाबार्ड" द्वारा वर्ष 1995-96 से 1997-98 तक प्रति वर्ष कितनी-कितनी सहायता दी गई;

(ख) इस सहायता को प्रदान करने के लिए क्या-क्या शर्ते निर्धारित है;

(ग) इस राशि का उपयोग किन सिंचाई योजनाओं के लिए किया गया तथा प्रत्येक योजना के लिए कितनी-कितनी सहायता राशि का उपयोग किया गया तथा इस सहायता से किन-किन योजनाओं को पूरा किया गया है; और

(घ) इन योजनाओं से प्रस्तावित आर वास्तव में विकसित सिंचाई क्षमता का ब्यौरा क्या है?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सोमपाल): (क) से (घ) ब्यौरा इस प्रकार है:

वर्ष	ग्रामीण अवसंरचना विकास निधि	स्वीकृत राशि	30.4.98 तक संवितरित	परियोजनाओं की संख्या (वृहद, मध्यम लघु)
				(करोड़ रु0 में)
1995-96	आर आई डी एफ-I	199.63	148.31	183
1996-97	आर आई डी एफ-II	207.59	61.75	70
1997-98	आर आई डी एफ-III	128.43	16.82	96

मध्य प्रदेश सरकार ऐसी सभी शर्तो, बाध्यताओं का अनुपालना, कार्य निष्पादन तथा उन्हें पूरी करेगी जो नाबार्ड द्वारा जारी स्वीकृत पत्रों में निर्धारित है।

उपर्युक्त सहायता से केवल 78 परियोजनाएं आर आई डी-एफ-I तहत पूरी हुई हैं। अन्य दो चरणों में परियोजनाएं अभी कार्यान्वयनाधीन है और कार्यक्रम के अनुसार पूरी होने की संभावना है। इन परियोजनाओं के पूरा होने पर लगभग 2.28 लाख हेक्टेयर, सिंचाई क्षमता सृजित की जायेगी जिसमें से 40,200 हेक्टेयर सृजित की जा चुकी है।